आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 20.08.2026 समय : 1905

<><><><><><><>

1. अंडमान–निकोबार भाजपा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के समक्ष रोजगार, स्वास्थ्य, पेयजल और विकास से जुड़ी मांगें रखीं।
2. जल संकट से निपटने की बड़ी पहल, अंडमान–निकोबार में 13 हजार मिलियन लीटर क्षमता के दो जलाशयों की डी पी आर तैयार करेगा सी डब्ल्यू सी।
3. अंडमान–निकोबार में मसाला खेती को मिलेगा बढ़ावा, केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान के तीन दिवसीय प्रशिक्षण में किसानों को वैज्ञानिक खेती और प्रसंस्करण की जानकारी दी गई।
4. आपदा के समय जनजातीय समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर, राजधानी श्री विजयपुरम में अधिकारियों–कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित हुआ।

<><><><><><><>

अंडमान–निकोबार भाजपा इकाई ने द्वीपवासियों से जुड़े विभिन्न जनहित के मुद्दों को लेकर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के समक्ष मांगें रखी हैं। प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार तिवारी ने पंचायतों और श्री विजयपुरम नगरपालिका परिषद के निर्वाचित प्रतिनिधियों के अधिकार बहाल करने, पंचायतों को पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराने तथा वर्ष 2012 की अनुदान अधिसूचना को पुनः लागू करने की मांग की। उन्होंने स्थानीय युवाओं को सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता देने के लिए डोमिसाइल कानून लागू करने और पंचायतों को कुल योजना राशि का कम से कम 30 प्रतिशत आवंटित करने का भी आग्रह किया। स्वास्थ्य क्षेत्र में जी.बी. पंत अस्पताल सहित अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने, एनिम्स को एम्स के अधीन लाने तथा गंभीर मरीजों के लिए सस्ती हवाई चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की गई। आयुष्मान भारत के तहत मुख्य भूमि के अस्पतालों तक मरीजों के लिए हवाई यात्रा की सुविधा देने का भी सुझाव दिया गया। पेयजल संकट के समाधान के लिए धनिखाड़ी बांध के पास अतिरिक्त जल भंडारण की व्यवस्था और अलग जल प्रबंधन बोर्ड गठित करने का प्रस्ताव रखा गया। वहीं, ग्रेट

निकोबार परियोजना से प्रभावित कैंपबेल बे के लोगों को भूमि और कृषि–पौधों का उचित मुआवजा देने की मांग भी की गई।

<><><><><><>

अंडमान–निकोबार प्रशासन और केंद्रीय जल आयोग—सी डब्ल्यू सी—के बीच बर्मानाला और गुप्तापाड़ा में दो बड़े जलाशयों की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट डी पी आर तैयार करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इनमें गुप्तापाड़ा में 4 हजार मिलियन लीटर और बर्मानाला के मक्कापहाड़ में 9 हजार मिलियन लीटर क्षमता के जलाशय प्रस्तावित हैं। प्रशासन के अनुसार, तेजी से बदलती जलवायु और बढ़ते विकास के कारण श्री विजयपुरम में जल संकट को देखते हुए ये परियोजनाएं जल सुरक्षा मजबूत करने में महत्वपूर्ण होंगी। सी डब्ल्यू सी अगले 18 महीनों में डी पी आर तैयार करेगा। आवश्यक प्रशासनिक मंजूरी और व्यय स्वीकृति के बाद निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। दोनों परियोजनाओं से करीब 13 हजार मिलियन लीटर अतिरिक्त जल भंडारण क्षमता विकसित होगी, जो मौजूदा धनिखाड़ी बांध की शुद्ध क्षमता से डेढ़ गुने से अधिक है।

<><><><><><>

अंडमान–निकोबार प्रशासन और केंद्रीय जल आयोग—सी डब्ल्यू सी—के बीच बर्मानाला और गुप्तापाड़ा में दो बड़े जलाशयों की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट डी पी आर तैयार करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इनमें गुप्तापाड़ा में 4 हजार मिलियन लीटर और बर्मानाला के मक्कापहाड़ में 9 हजार मिलियन लीटर क्षमता के जलाशय प्रस्तावित हैं। प्रशासन के अनुसार, तेजी से बदलती जलवायु और बढ़ते विकास के कारण श्री विजयपुरम में जल संकट को देखते हुए ये परियोजनाएं जल सुरक्षा मजबूत करने में महत्वपूर्ण होंगी। सी डब्ल्यू सी अगले 18 महीनों में डी पी आर तैयार करेगा। आवश्यक प्रशासनिक मंजूरी और व्यय स्वीकृति के बाद निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। दोनों परियोजनाओं से करीब 13 हजार मिलियन लीटर अतिरिक्त जल भंडारण क्षमता विकसित होगी, जो मौजूदा धनिखाड़ी बांध की शुद्ध क्षमता से डेढ़ गुने से अधिक है।

<><><><><><>

अंडमान–निकोबार के द्वीपों में मसाला फसलों की वैज्ञानिक खेती और कटाई के बाद प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए सी आई ए आर आई में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम कल सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में किसानों और अन्य हितधारकों को काली मिर्च, दालचीनी, अदरक, हल्दी, लौंग और जायफल जैसी मसाला फसलों की वैज्ञानिक खेती, पौध तैयार करने और प्रसंस्करण की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को पौधों के प्रवर्धन की विभिन्न तकनीकों का प्रशिक्षण भी दिया गया। साथ ही, सिप्पीघाट स्थित बागवानी अनुसंधान फार्म का भ्रमण कर मसाला फसलों की विभिन्न खेती प्रणालियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य द्वीपों में मसाला क्षेत्र की संभावनाओं से किसानों और युवाओं को परिचित कर इसे लाभकारी व्यवसाय के रूप में बढ़ावा देना था।

<><><><><><><>

श्री विजयपुरम के गोलघर स्थित आपदा प्रबंधन भवन में आज जनजातीय कल्याण विभाग एवं अंडमान आदिम जनजाति विकास समिति के अधिकारियों–कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय बुनियादी आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में आपदा से बचाव, पूर्व चेतावनी, सुरक्षित निकासी, खोज एवं बचाव, प्राथमिक चिकित्सा, अग्नि सुरक्षा और आपात स्थिति से निपटने की जानकारी दी गई। आपदा प्रबंधन निदेशक प्रियंका कुमारी ने कहा कि आपात परिस्थितियों में जनजातीय समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनमें आपदा से निपटने की क्षमता बढ़ाने में प्रशिक्षित अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में तैंतालीस अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

<><><><><><><>

उत्तर एवं मध्य अण्डमान में युवाओं की भागीदारी और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी सुशांत पाधा ने की। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों और संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान माई भारत के माध्यम से युवाओं के लिए चलाए जा रहे केंद्र सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों और

योजनाओं पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने और उनके लिए अधिक अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

<><><><><><><>

दूरदर्शन केंद्र, श्री विजयपुरम की ओर से 'हेलो डॉक्टर' कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कल शाम साढ़े पांच बजे से छह बजे तक किया जाएगा। कार्यक्रम का विषय बच्चों में हर्निया रहेगा। जी.बी.पंत अस्पताल, अनिम्स के बाल शल्य चिकित्सा विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अनीस अख्तर खावरी विशेषज्ञ के रूप में दर्शकों के सवालों के जवाब देंगे। दर्शक इस सीधे फोन–इन कार्यक्रम में 244–745 या 245–662 नंबर पर फोन करके शामिल हो सकते हैं।

<><><><><><><>

एच टी लाइनों के रखरखाव और साफ–सफाई के कारण 22 अगस्त को बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। यह कटौती सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक की जाएगी। इस दौरान टेयलराबाद और बिम्बलिटान क्षेत्र में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेंगे। यह कार्य मौसम की स्थिति पर निर्भर रहेगा।

<><><><><><><>

दक्षिण अंडमान के जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय के अनुसार राज्य पुलिस के जवानों द्वारा कल से 28 अगस्त तक एन एस सी बी पी टी आई, बर्ड लाइन, प्रातरापुर स्थित रेंज में फायरिंग अभ्यास किया जाएगा। बर्ड लाइन और प्रातरापुर के निवासियों से अपील की गई है कि अभ्यास के दौरान वे स्वयं और अपने पशुओं को फायरिंग रेंज से दूर रखें।

<><><><><><><>